>

Title: Regarding alleged supply of inferior and rotten Dal for Mid-day Meal and Special Nutrition Scheme resulting in a Rs. 700 crores Dal Scam in the State of Odisha.

श्री भक्त चरण दास (कालाहांडी): सभापति महोदया, आपने मुझे बहुत ही संवेदनशील मामले पर बोलने का मौका दिया है। भारत सरकार की एक योजना बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए है। इस योजना में उड़ीसा के एक करोड़ छह लाख बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए पिछले आठ साल में तीन हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया और पिछले साल सात सौ करोड़ रूपए का उसमें घोटाला हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में पी.यू.सी.एल. ने वर्ष 2004 में इस पर एक पीआईएल दायर की गई थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को एक डायरैक्टिव दिया था, जिसमें कहा गया था कि विषाक्त क्वालीटी की दाल दी जाती है, जिसे खाकर बच्चे बीमार हो जाते हैं, गर्भवती महिलाएं बीमार हो जाती हैं। उड़ीसा कुपोषण में प्रथम स्थान पर है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश भी है कि किसी कांट्रैक्टर से न खरीदा जाए, अपितु मार्किट प्राइज़ पर खरीद कर सरकारी व्यवस्था के तहत उसी स्पॉट पर पहुंचाया जाए, कोई मिडिल मैन बीच में न हो। सरकार को उसकी निगरानी के लिए एक कमेटी बनानी चाहिए। उड़ीसा हाई कोर्ट ने भी समान राय दी थी, लेकिन राज्य सरकार ने उसके खिलाफ काम किया और कभी भी उसका रिव्यू नहीं हुआ है। जब यह मामला बहुत जोर से उठा कि इसमें बहुत बड़ा घोटाला हुआ है, भ्रष्टाचार हुआ है, तो राज्य सरकार ने उस विभाग के मंत्री को हटा दिया, उस विभाग के कुछ अधिकारियों को सस्पैंड कर दिया गया। लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि पिछले आठ साल में जो विषाक्त दाल, जो 28-30 रूपए में आती है, जबकि भारत सरकार ने उसके लिए 75 रूपए का प्रावधान है, उस मूल्य पर दाल न खरीद करके, क्यों नहीं खरीदी जा रही है? इसका खराब रिएक्शन बच्चों पर हो रहा है। मेरी भारत सरकार से मांग है कि इसकी इन्क्वायरी की जाए, जांच की जाए, सोसायटी पर इसका क्या रिएक्शन हुआ है और इस घोटाले में कौन-कौन लोग इनवाल्व हैं? क्या इसमें राज्य के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी नहीं है कि एक साल में एक बार भी रिव्यु करे।...(व्यवधान)

सभापति महोदया : आपने अपनी बात कह दी है, अब आप समाप्त कीजिए।

श्री पशुपति नाथ सिंह।

â€¦(व्यवधान)

श्री भक्त चरण दास : सभापति महोदया, अगर इस प्रकार से योजना के अंतर्गत बच्चों से व्यवहार किया जाएगा, तो बच्चों के भविष्य का क्या होगा?...(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री पशुपति नाथ के भाषण के अलावा कुछ भी रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *